AJ-1023

B.A. (Part–I) Term End Examination, 2021-22

HINDI LITERATURE (Paper-I)

Time : 3 hours] **[Maximum Marks : 75**

नोट- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3×8=24**

(अ) सतगुरु साँचा सूरिवाँ, सबद अजु श्राद्या एक।
लागत ही में मिली गया, पड़्या कलेजे छेक।।
जाका गुरु भी अँधला, चेला खरानि रंध।
अंधे-अंधा ढेलिया, दून्यूँ कूप पड़ंत।।

अथवा

जिन्ह घर कंता ते सुखी, तिन्ह गारौ औ गर्व।
कैत पियारा बाहिरै, हम सुख भूला सर्व।।
पिउ सौ कहेऊ सँदेसड़ा, हे भौरा हे काग।
सो धनि बिरहै जरि मुई, तेहिक धुवाँ हम लाग।।

(ब) आयो घोष बड़ो व्यापारी,
लादि खेप गुन ज्ञान जोग की, ब्रज में आय उतारी।।
फाटक देकर हारक मांगत मोरे निपट सुधारी।
घूर ही तें खोटो खायो है, लयो फिरत सिर मारी।।
इनके कहे कौन डह काबै, ऐसी कौन अजानी।
अपनो दूध छाँड़ि को पीवै, खार कूप को पानी।।
उधो जाहू सवार जहाँ तें बेगि गहरु जनि लावौ।
मुँह मांग्यो पैही सूरज प्रभु साहुहि आनि दिखावौ।।

अथवा

सादर पुनि पुनि पूछति ओही। सबरी गान मृगी जनु मोही।।
तसि मति फिरौ अहइ जसि भाबी। रहसि चेरी घात जनु फाबी।।
तुम्ह पूँछहु मैं कहत डेराऊँ। घरेहु मोर घर फोरी नाऊं।।
सजि प्रतीति बहुबिधि गढ़ि छोली। अवध साढ़ साती तब बोली।।

(स) पहिले घनआनंद सींचि सींचि सुजान, कही बतियाँ अति-प्यार पगी।
अब लाय बियोग की लाप, बलाय बढ़ाय बिसास-दगानि दगी।
अँखियाँ दुखियानि कुबानि परी, न कहुँ लगै, कौन घरी सु लगी।
मति दौरि थकी, न लहै ठिक ठौर, अमोहि के मोह-मिठास ठगी।।

अथवा

यूवाँ पीछे जिनि मिलै, कहें कबीरा राम।

[P.T.O.]

https://www.abvvonline.com

पाथर धारा लोह सब, तब पारस कौसो काम।
यह तनु जालौ मसि करूँ, ज्यू धूवाँ जाइ सरग्गि।
मति वैराम दया करै, बरसि बुझावै अग्गि।।

2. कबीर सच्चे अर्थों में समाजसुधारक थे, उदाहरण देकर समझाइए। **8**

अथवा

जायसी का विरह वर्णन हिन्दी साहित्य की अनुपम निधि है। इस कथन की पुष्टि उदाहरण देकर कीजिए।

3. सूर के भ्रमरगीत का उद्देश्य निर्गुण पर सगुण की विजय है । इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। **8**

अथवा

तुलसीदास लोक ह्रदय के सच्चे पारखी थे। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

4. भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है? विवेचना कीजिए। **8**

अथवा

घनानन्द 'प्रेम के पीर' के कवि माने जाते हैं। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

5. निम्नांकित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए : **4×4=16**

(अ) विद्यापति सौंदर्य एवं श्रृंगार के कवि हैं।
(ब) रहीम की साहित्यिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
(स) रसखान के काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
(द) भक्तिकाल का नामकरण एवं काल विभाजन पर विचार दीजिए।
(य) भ्रमरगीत व्यंग्य रचना है, स्पष्ट कीजिए।
(र) घनानंद की भक्ति लौकिक एवं पारलौकिक–स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नांकित में से किन्हीं 11 प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1×11=11**

(1) रामचरितमानस किस भाषा में लिखी गई है?
(2) कबीर की भाषा को किस नाम से जानते हैं?
(3) भक्तिकाल का कालखण्ड कब से कब तक माना जाता है?
(4) वात्सल्य रस सम्राट किसे कहा जाता है?
(5) ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि कौन हैं?
(6) तुलसीदास की भक्ति किस प्रकार की है?
(7) रीतिबद्ध काव्य धारा के किसी एक कवि का नाम लिखें।
(8) कबीर के गुरु का नाम बताएँ।
(9) जायसी किस शाखा के कवि हैं?
(10) पद्मावत महाकाव्य के नायक का नाम बताएँ।
(11) रतन सेन कहाँ के राजा थे?
(12) कबीर वाणी के डिक्टेटर थे। किसने कहा था–लिखें।
(13) हीरामन किसका नाम है?

https://www.abvvonline.com